3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

आ री निंदिया

आरी निंदिया, आ री निंदिया,
सपने भर-भर ला री निंदिया,
सोता है भैया पलने में,
तारों को दे जा री निंदिया।
प्यारी निंदिया, प्यारी निंदिया,
चंदा को संग लारी निंदिया।
मुन्ना के फुलके गालों पर,
फूलों की छवि प्यारी निंदिया।
है तू निपट अनारी निंदिया,
आ री निंदिया, आ री निंदिया,

कहाँ गई तू

कहाँ गई तू आ री निंदिया मुंह से जो नहिं बोलें।

कबसे मेरा छगन-मगन हो तुझे सुलाता डोलें।।

बाबा लौट खेत से आए दादा दूर नगर से,

तू भी तो रह गइ कहां री आती कौन डगर से,

नाना ने दो धावन भेजे तुझे बुलाने को री,

बिलम कहां तू रही बावरी गाती-गाती लोरी।

मुंह मांगा देने को नानी-दादी तुझे बुलाए

भैया की पलकों पर आ जा सैनों से समझाए!